DEMOLITION OF RAM SETU

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदय, आज मैं आपकी अनुमति से सदन में श्री रामसेतु विध्वंस का मामला उठाना चाहती हूं। पिछले सत्र में मैंने इस विषय को आधे घंटे की चर्चा के माध्यम से उठाया था। मुझे खुशी हुई थी कि सदन के मेरे साथियों ने राजनैतिक दल की सीमाओं से ऊपर उठकर इस विषय का समर्थन किया था और मंत्री महोदय से यह आग्रह किया था कि मंत्री जी आप इस निर्णय को बदलें और आप रामसेतु विध्वंस की दिशा में आगे न बढ़ें। यहां पर माननीय मंत्री जी बैठे हुए हैं। मैं उनसे आग्रह करना चाहूंगी कि जो बात मैं कहना चाहती हूं, वे उसे सुन लें। मेरा विषय परिवहन मंत्री जी से ही संबंधित है। उपसभापति जी, मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मंत्री इतने जिद्दी क्यों हो गए हैं, सरकार इतनी हठी क्यों हो गई है। वह टस से मस होने को तैयार नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let the Member say what she wants to. यह ठीक नहीं है। Mr. Shiva, please sit down, पाणी जी, आप बैठिए। आपके लीडर बोल रहे हैं, आप क्यों उठ रहे हैं? आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... Mr. Natchiappan, please sit down. It has been admitted ...*(interruptions)*... Let her say what she wants to say ...*(interruptions)*... Nothing will go on record. What is it? Let the Member speak. It has been admitted. आप बैठिए Siva, please sit down. Mr. Natchiappan, please allow her to speak. It has been admitted. ...*(interruptions)*... Nothing will go on record. Mr. Natchiappan, please sit down. Mr. Siva, please sit down. Whatever you speak will not go on record. Please sit down. ...*(Interruptions)*... Please sit down. Mr. Siva, please sit down. As you have the right to speak, she also has the right to speak. It has been admitted. She has the right to speak. She is speaking.

श्रीमती सुषमा स्वराज: चेयरमैन सर ने मुझे अनुमति दी है ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have the right to listen. Please sit down. ...*(Interruptions)*... Mr. Natchiappan, please sit down. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, मुझे चेयरमैन साहब ने अनुमति दी है।

श्री उपसभापति: मैंने दी है।

श्रीमती सुषमा स्वराज: मुझे चेयरमैन सर ने अनुमति दी है, आपने दी है। मैं तीन मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगी पर मुझे यह प्रोटेक्शन दीजिए कि कम से कम कोई बीच में न बोले।

श्री उपसभापति: मैं यह प्रोटेक्शन देने की कोशिश कर रहा हूं, मगर नहीं हो पा रहा है।

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं कह रही थी कि मंत्री जी इतने हठी हो गए हैं कि अगर इनसे अलग से भी पूछो और यह कहो कि मंत्री जी आप यह सेतु मत तोड़िए तो एकदम हंस कर कहते हैं, मत तोड़िए, मैंने तो तोड़ दिया। मैं आपसे पूछना चाहती हूं कि आखिर वह कौन सा, ऐसा कारण है, जिसके कारण आप हिंदुस्तान के तमाम लोगों की आस्थाओं को धता बताकर अपने निर्णय पर आगे बढ़ रहे हैं। आप कहते हैं कि नासा यह कहता है कि अब वह मानव निर्मित सेतु नहीं है, मैं यह बात कहने के लिए इसीलिए खड़ी हुई हूं ...**(व्यवधान)**...

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): She is not aware of the..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Siva, please sit down.

श्रीमती सुषमा स्वराज: मैं यह कहने के लिए खड़ी हुई हूं कि वह सेतु राम सेतु है, इसके लिए हमें नासा के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। हिंदुस्तान के करोड़ों करोड़ लोग उसे राम सेतु इसलिए नहीं मानते हैं कि नासा ने सेटेलाइट से तस्वीरें दिखाई हैं, इसलिए नहीं मानते कि कोई वैज्ञानिक इस पर टिप्पणी कर रहा है, बल्कि इसलिए मानते हैं क्योंकि हजारों वर्ष पहले महर्षि वाल्मीकि ने अपनी रामायण में कहा था कि वह राम सेतु है, इसलिए मानते हैं क्योंकि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में लिखा था कि वह राम सेतु है, हिंदुस्तान के हर अंचल में रहने वाली ...**(व्यवधान)**...

SHRI V. NARAYANASAMY (Puducherry): Sir, I am on a point of order.

श्री उपसभापति: जीरो ऑवर में क्या प्वाइंट ऑफ ऑर्डर ...**(व्यवधान)**... जीरो ऑवर में प्वाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं होता। आप बोलिए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज: उपसभापति जी, हिंदुस्तान के ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Narayanasamy, please sit down.

श्रीमती सुषमा स्वराज: हिंदुस्तान के हर अंचल में रहने वाली ...**(व्यवधान)**... अवधी, राजस्थानी, भोजपुरी, पंजाबी, राजस्थानी में ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: तीन मिनट हो गए ...**(व्यवधान)**... सुषमा जी तीन मिनट हो गए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, मैंने तो तीन वाक्य बोले ...**(व्यवधान)**... मैंने केवल तीन वाक्य बोल है...**(व्यवधान)**...

SHRI V. NARAYANASAMY: How can you say without hearing me?

DR. V. MAITREYAN (Tamil Nadu): No, Sir, he is not interrupting.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down.

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): उनको बिठाइए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज: उपसभापति जी, मैंने अभी केवल तीन वाक्य बोले हैं, मैंने आधा मिनट भी नहीं लिया है ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: देखिए डिसटर्बेन्स ...**(व्यवधान)**... आप बोलिए ...**(व्यवधान)**... आधा मिनट नहीं ...**(व्यवधान)**... आपने बोल दिया है ...**(व्यवधान)**... मेरे पास घड़ी है ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराज: उपसभापति जी, मैं यह कहना चाहती हूं कि हिंदुस्तान ...**(व्यवधान)**...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, the matter is *sub judice*. How can a *sub judice* matter be raised here?

DR. V. MAITREYAN: Go and ask the Chairman. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. Please sit down. Mr. Narayanasamy, it has been admitted by the Chairman. Ruling is given. Please sit down. ...*(Interruptions)*... आप बैठिए ...**(व्यवधान)**... मि. अहलुवालिया जी ...**(व्यवधान)**... बोलने दीजिए ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराजः सर, मैं कह रही थी कि हिंदुस्तान के हर अंचल में रहने वाली महिलाएं अवधी, भोजपुरी, पंजाबी, राजस्थानी में ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः समाप्त कीजिए।

श्रीमती सुषमा स्वराजः महिलाएं लोक गीत गाती हैं और कहती हैं कि मां सीता को लाने के लिए भगवान राम यह सेतु बनाकर गए थे। वे यह नासा की तस्वीरों के कारण नहीं कहती हैं। मैं यह कहना चाहती हूं कि यह हमारी आस्थाओं का सवाल है और आस्थाओं के प्रमाण न मांगे जाते हैं, न दिए जाते हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः सुषमा जी हो गया है ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराजः मैं आपसे कहना चाहती हूं कि अगर एक शहर में ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude. ...*(Interruptions)*...

श्री एस.एस. अहलुवालियाः क्या है यह ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराजः उपसभापति जी ...**(व्यवधान)**...

श्री एस.एस. अहलुवालियाः इस तरह से सदन नहीं चलेगा ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती सुषमा स्वराजः उपसभापति जी अगर एक सड़क बनाने के लिए एक शहर में कोई छोटा मन्दिर या मजार आ जाता है, जिसका कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि नहीं होता, तो उस शहर के लोग विरोध करते हैं और कहते हैं कि इस मन्दिर और मजार को रहने दो, सड़क घुमावदार करके बना लो। मैंने आज अखबार में पढ़ा है कि केवल 15 पेड़ों को काटने से बचाने के लिए मेट्रो का रास्ता बदला गया है। वह स्टेशन उद्योग भवन की जगह रेसकोर्स में बनेगा, क्योंकि 15 पेड़ रास्ते में आ रहे थे।

श्री उपसभापतिः सुषमा जी, आप प्लीज़ conclude कीजिए।

श्रीमती सुषमा स्वराजः श्री राम सेतु, जिसके लिए हाई कोर्ट ने कहा कि भले ही वह मानव निर्मित है, भले ही वह प्रकृति निर्मित है, लेकिन उसे बचाया जाना चाहिए। क्या वह 15 पेड़ों से भी गया गुजरा हो गया। मैं कहना चाहती हूँ कि यह राम सेतु हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, हमारी राष्ट्रीय धरोहर है, हमारी धार्मिक धरोहर है। अगर आप इसको विध्वंस करने का काम करते हैं, तो भारत की ...**(व्यवधान)**... को विध्वंस करने का काम करते हैं। इसलिए मैं आपसे कहना चाहती हूँ कि ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us take up Special Mentions. Shri Lalit Kishore Chaturvedi ...*(Interruptions)*....

श्रीमती सुषमा स्वराजः संसदीय कार्य मंत्री बैठे हैं, मैं उनके माध्यम से कहना चाहती हूँ कि प्रधान मंत्री जी को कहिए कि Coalition धर्म बहुत निभ गया, या तो मंत्री जी को कह कर हस्तक्षेप करिए ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः सुषमा जी, आपने वादा किया था कि 2 मिनट 59 सेंकड में अपनी बात complete करूँगी।

श्रीमती सुषमा स्वराज: और अगर नहीं ...**(व्यवधान)**... और मंत्री जी ...**(व्यवधान)**... रहते हैं, तो ऐसे मंत्री को तुरन्त मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें, लेकिन राम सेतु को बचाने का काम करें। मैं यह कहना चाहती हूँ। ...**(व्यवधान)**...

DR. V. MAITREYAN: Sir we associate ourselves with Sushmaji on this issue. Thank you.

THE MINISTER OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (SHRI T.R. BAALU): Sir, I wish to say *...(Interruptions)....*

श्री उपसभापति: परम्परा नई नहीं है। In the Zero Hour, if the Minister chose to respond, he can do so *...(Interruptions)...* There is nothing unusual *...(Interruptions)...*

SHRI T.R. BAALU: Sir, let me keep the record straight. My beloved sister, former Union Minister and my colleague for whom I have got a lot or respect, made a point today. I am just worried because of political position she has taken.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: It is not a political position *...(Interruptions)...*

SHRI T.R. BAALU: Kindly allow me *...(Interruptions)...*

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: It is not a political question *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति: अमर सिंह जी, आप बैठिए ...**(व्यवधान)**... उनको बोलने दीजिए, आप बीच में क्यों आ रहे हैं।

SHRI T.R. BAALU: My sister was making an allegation based on the misinformation that she could have received. I am sorry. You can see the Indian Road Map even today. She has stated that some Sethu *...(Interruptions)...* Ram Sethu is *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: It is not 'some Sethu' *...(Interruptions)...*

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: It is not 'some Sethu'. Call it Shri Ram Sethu, Mr. Minister *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Don't you have any respect for Lord Shri Ram? *...(Interruptions)...*

SHRI T.R. BAALU: My second point is that the genesis of this decision lies in my friend's decision *...(Interruptions)...* You understand that *...(Interruptions)...* Actually, the entire Nation should understand this *...(Interruptions)...*

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, the decision was taken by Mr. Shatrughan Sinha when he was Minister *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति: नारायणसामी जी, आप बोलते हैं, तो मंत्री जी की आवाज सुनाई नहीं देती।

SHRI T.R. BAALU: She was saying that I am so adamant. Yes, I am as adamant as my sister, because she was adamant to implement her own agenda. But, at the same time, I am as adamant as my sister to implement my own UPA's policy. I have to see that UPA's policy was implemented. Sir, whatever decision taken or alignment

formulated, it is the NDA which did it. I was also a party to that. They had freezed the alignment. I am only executing it. Thank you ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, एनडीए ने सेतुसमुद्रम परियोजना बनाई थी, यह एलाइनमेंट नहीं दी थी।

DR. V. MAITREYAN: Sir, this is misrepresentation of facts ...*(Interruptions)*...

SHRI SHATRUGHAN SINHA (Bihar): Sir, my name has been mentioned. I may be allowed to respond to that ...*(Interruptions)*... सर, मेरा नाम लिया गया है ...**(व्यवधान)**...

श्रीमीत सुषमा स्वराज: उन्होंने इनका नाम लिया है। इनके ऊपर allegation लगाया है।

श्री उपसभापति: कोई allegation नहीं है। अगर allegation है, तो रेकार्ड से निकाल देंगे।

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: सर, मेरा नाम लिया गया है। मैं refute कर रहा हूँ। The beloved Minister ने जो कहा है, वह सही नहीं है। यह हमारे वक्त में नहीं हुआ था।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, we shall take up Special Mentions. ...*(Interruptions)*... No questions and answers. ...*(Interruptions)*.... Special Mentions only. ...*(Interruptions)*... सभा-पटल पर रख दो ...**(व्यवधान)**...

श्री तरलोचन सिंह (हरियाणा): सर, यह जो सेंसर होता है, वह गलत है ...**(व्यवधान)**... इसको सेंसर करने का सिस्टम बिल्कुल गलत है। ...**(व्यवधान)**...

श्री दत्ता मेघे (महाराष्ट्र): सर, मैं अपना स्पेशल मेंशन 'ले' करुंगा, लेकिन यह नई प्रथा कहाँ से आ गई? ...**(व्यवधान)**... सर, यह नई प्रथा कहाँ से आ गई? ...**(व्यवधान)**... आप हमें बोलने नहीं देते हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Don't worry, everything will come on record. ...*(Interruptions)*... Everything will come on record ...*(Interruptions)*....

श्री दत्ता मेघे: अभी तक हाउस में स्पेशल मेंशन पढ़ने का काम होता था ...**(व्यवधान)**... यह क्या नई प्रथा लगा रहे हैं आप? ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: ठीक है ...**(व्यवधान)**... It is as per the decision taken. Please co-operate. ...*(Interruptions)*... Please co-operate. ...*(Interruptions)*...

डा० एम० एस० गिल (पंजाब): सर, मैं बोलूँ ...**(व्यवधान)**... ...*(Interruptions)*... Sir, can I speak?

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं। ...**(व्यवधान)**... गिल साहब, किसी को मौका नहीं दिया गया। आपको कैसे अलाऊ कर दूँ। ...**(व्यवधान)**... If I give you an opportunity, I will be proved partial. ...*(Interruptions)*... Please cooperate. ...*(Interruptions)*... आप ले कर दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

DR. M.S. GILL (Punjab): Sir, I want to make a point to you. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You see, you intention is to bring it to the notice of the Government. That will be done. It will go on record and it will be published. ...*(Interruptions)*...

DR. M.S. GILL: Sir, when I come here, my intention is let Members know. ...*(Interruptions)*... We hear the whole day. ...*(Interrutpions)*... But we don't get ...*(Interruptions)*...

मौलाना ओबैदुल्लाह खान आज़मी (मध्य प्रदेश): सर, ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप बैठिए ...**(व्यवधान)**... हम कोशिश करेंगे कि इसको खत्म करें। क्योंकि accumulate ज्यादा हो गए हैं, इसलिए we have to do this. ...*(Interruptions)*... आज़मी साहब, आप बैठिए ...**(व्यवधान)**... Please cooperate. ...*(Interruptions)*... गिल साहब, आप co-operate कीजिए ...*(Interruptions)*... Please cooperate. ...*(Interruptions)*...

SPECIAL MENTIONS

Request to release all funds under SGRY to Rajasthan

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान): अप्रैल, 2005 में वर्ष 2005-06 के लिए राजस्थान राज्य के बांसवाड़ा/डूँगरपुर/उदयपुर/सिरोही और करौली जिलों में ग्रामीण रोजगार योजना कार्यक्रम में काम के बदले अनाज कार्यक्रम हेतु 87,322 मैट्रिक टन खाद्यान्न का आवंटन किया गया था, जिसे बाद में संशोधित करके 26,197 मैट्रिक टन कर दिया गया। काम पहले से चालू कर दिए गए थे अतः उन्हें बंद नहीं किया जा सकता था और जितना अनाज कम आवंटित हुआ, उसके बदले में नकद राशि का भुगतान किया गया, जिसका लंबित दायित्व 23.42 करोड़ रुपए अभी भी शेष है। केन्द्र सरकार ने अपने पत्र दिनांक 21 सितंबर, 2005 में यह स्वीकार किया था कि कम खाद्यान्न के बदले में श्रमिकों को नकद भुगतान किया जा सकता है। स्वीकृति के बाद भी 23.43 करोड़ रुपए का दायित्व केन्द्र सरकार द्वारा पुरर्भरित नहीं किया जा रहा है और निरंतर पत्र व्यवहार के बाद भी यह राशि नहीं मिलने से श्रमिकों और राज्य सरकार में गहरा असंतोष है। नकद भुगतान की अनुमति के पश्चात् भी राज्य सरकार को राशि नहीं देना किसी भी तरह से उचित नहीं है।

विशेष उल्लेख के माध्यम से मैं चाहूंगा कि एक महीने की अवधि में राज्य सरकार को इस बकाया राशि का भुगतान किया जाए।

Demand to allow students to write in language of their choice

श्री अली अनवर (बिहार): सभापति महोदय, यह मान्यता रही है कि देश के पैमाने पर जो छात्र जिस भाषा का चयन करते हैं उन्हें उसी भाषा में उत्तर का विकल्प दिया जाना चाहिए। इसी तरह होता भी है। अन्यथा, इस बहुभाषी देश में भाषीय अस्तित्व की रक्षा असंभव हो जाएगी। यह इसलिए भी आवश्यक है कि जिसकी जो मातृभाषा होती है उसके लिए उसमें समझना, पढ़ना-लिखना और संप्रेषित करना सहज होता है।

पश्चिम बंगाल में हिन्दी और ऊर्दू भाषा का अध्ययन करने वाले छात्रों को उन्हीं भाषाओं में प्रश्न पत्र उपलब्ध नहीं होते है। पश्चिम बंगाल में केवल बंगला अथवा अंग्रेजी में ही प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराए जाते हैं। ऐसे में जो छात्र बंगला अथवा अंग्रेजी सम्यकतः अध्ययन नहीं किए